नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

पालि भाषा, साहित्य पर एक सप्ताह की कार्यशाला सोमवार से हिंदी विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन केंद्र का आयोजन

वर्धा, 17 दिसंबर 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र की ओर से 19 से 25 दिसंबर तक पालि भाषा और साहित्य पर

कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह भर चलनेवाली कार्यशाला में पालि भाषा एवं साहित्य के विद्वान विशेषज्ञों का आमंत्रित किया गया है जिसमें भंते विकलकित्ती गुणसिरी, प्रो. बालचंद्र खांडेकर, प्रो. एम. एल. कासारे, डॉ. नीरज बोधी, प्रो. विमलकिर्ती मेश्राम, प्रो. भाऊ

लोखंडे, प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर, भंते संघरत्न मानके, डॉ. रवि शंकर सिंह, प्रो. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य आदि शामिल है।

डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के प्रभारी निदेशक एवं कार्यशाला के संयोजक डॉ. सुरजीत कुमार सिंह ने बताया कि कार्यशाला का उदघाटन 19, सोमवार को दोपहर 3.00 बजे संस्कृति विद्यापीठ के सभागार में गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया जाएगा। उदघाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा करेंगे तथा संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. एल. कारूण्यकरा स्वागत वक्तव्य देंगे। भंते विमलकिर्ती गुणसिरी समारोह के मुख्य अतिथि होंगे तथा वे पालि साहित्य में ध्यान साधना पद्धति पर व्याख्यान देंगे।

उन्होंने बताया कि सात दिनों में निमंत्रित विद्वान पालि भाषा एवं साहित्य पर व्याख्यान देंगे। उक्त दिनों में भारत में पालि भाषा एवं साहित्य का लोप और पुनर्जागरण, पालि साहित्य में आर्थिक दर्शन, पालि भाषा की प्रासंगिता एवं महत्व, पालि साहित्य में जाति, वर्ण, वर्ग, लिंग भेद और सामाजिक समानता का सिद्धांत, पालि सात्यि में महिला सशक्तिकरण और थेरीगाथा, डॉ. भीमराव अंबेडकर का बौद्ध धम्म और पालि साहित्य के विकास में योगदान, पालि साहित्य में नैतिक शिक्षा, विनय पिटक का महत्व, महायान परंपरा में पालि का प्रभाव, पालि साहित्य एवं बौद्ध दार्शनिक अवधारणाएं : स्थापना और पुनर्मूल्यांकन, पालि व्याकरण की आचार्य परंपराएं एवं उनके ग्रंथ, पालि साहित्य का महत्व एवं परंपरा, पालि काव्य साहित्य की रूपरेखा तथा पालि अभिधम्म दर्शन एवं साहित्य आदि विषयों पर व्याख्यान होंगे। सभी सत्रों के आधार पर एक लिखित परीक्षा भी होगी।

पालि भाषा, साहित्यावर कार्यशाला सोमवार पासून
हिंदी विश्वविद्यालयातील बौद्ध अध्ययन केंद्राचे आयोजन

वर्धा, 17 डिसेंबर 2016: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्राच्या वतीने 19 ते 25 डिसेंबर दरम्यान पालि भाषा आणि साहित्य या विषयावर कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले आहे. पालि भाषा आणि साहित्याचे विद्वान कार्यशाळेत व्याख्यान देणार असून यात भंते विकलकित्ती गुणसिरी, प्रो. बालचंद्र खांडेकर, प्रो. एम. एल. कासारे, डॉ. नीरज बोधी, प्रो. विमलकिर्ती मेश्राम, प्रो. भाऊ लोखंडे, प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर, भंते संघरत्न मानके, डॉ. रवि शंकर सिंह, प्रो. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य यांचा समावेश आहे.

डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्राचे प्रभारी निदेशक व कार्यशाळेचे संयोजक डॉ. सुरजीत कुमार सिंह यांनी सांगितले की कार्यशाळेचे उदघाटन 19, सोमवार रोजी दुपारी 3.00 वा. होईल. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी प्रकुलगुरु प्रो. आनंद वर्धन शर्मा राहतील. संस्कृती विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. एल. कारूण्यकरा स्वागत वक्तव्य देतील. भंते विमलकिर्ती गुणसिरी मुख्य अतिथी असतील व ते पालि साहित्यात ध्यान साधना पद्धतीवर व्याख्यान देतील.

कार्यशाळेत भारतात पालि भाषा व साहित्याचा लोप आणि पुनर्जागरण, पालि साहित्यात आर्थिक दर्शन, पालि भाषाचे महत्व, पालि साहित्यात जात, वर्ण, वर्ग, लिंग भेद, सामाजिक समानतेचा सिद्धांत, पालि साहित्यात महिला सशक्तिकरण व थेरीगाथा, डॉ. भीमराव आंबेडकर यांचे बौद्ध धम्म आणि पालि साहित्याच्या विकासात योगदान, पालि साहित्यात नैतिक शिक्षण, विनय पिटकचे महत्व, महायान परंपरेत पालिचा प्रभाव, पालि साहित्य व बौद्ध दार्शनिक अवधारणा : स्थापना व पुनर्मूल्यांकन, पालि व्याकरणाची आचार्य परंपराए, पालि साहित्याचे महत्व, पालि काव्य साहित्य अशा महत्वपूर्ण विषयांवर व्याख्याने होतील. कार्यशाळेतील सत्रांच्या आधारावर एक लेखी परीक्षाही घेण्यात येणार आहे.